K23P 3218

Reg. No. : .....

Name : .....

First Semester M.A. Degree (CBSS – Supple. (One Time Mercy Chance)/Imp.) Examination, October 2023
(2014 to 2022 Admissions)
HINDI
HIN1C01 : Medieval Hindi Poetry

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

I. **निर्देश** – किन्हीं **4** प्रश्नों की समीक्षात्मक व्याख्या लिखिए । **(4×5=20)**

1) मन अति भयो हुलास, बिगसि जनु कोक किरन रवि ।
अरुण अधर तिय सधर बिंबफल जानि कीर छवि ।
इह चाहत चष चक्रित, उह जु तक्किय झेरप्पि झर ।
चंचु चहुट्टिय लोभ, लियो तब गहित अप्प कर ।।
हरषद अनंद मन महँ हुलस, लै जु महल भीतर गई ।
पंजर अनूप नग जटित, सो तिहि मह रष्षत भई ।।

2) पूजा-सेवा-नेम-व्रत गुडियन का सा खेल
जब लग पिउ परसे नहीं, तब लग संसय मेल ।।
जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान ।
मोल करो तलवार का, पडा रहन दो म्यान ।।
हस्ति चढिए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि ।
स्वान रूप संसार है भूंकन दे झक मारि ।।

3) साधो, देखो जग बौराना ।
सांची कहौ तौ मारन धावै, झूठे जग पतियाना ।
हिन्दू कहत है राम हमारा, मुसलमान रहमाना ।
आपस में दोऊ लडै मरत है मरम कोई नहीं जाना ।
बहुत मिले मोहि नेमी धर्मी प्रीत करै असनाना
आतम छोडि पषानै पूजै तिनका धोधा ज्ञाना ।

P.T.O.

4) सावन बरस मेह आति पानि । भरनि परी हौं विरह झुरानी
लाग पुनरवतु पीउ न देखा । भइ बाउरि कहं कंत सरेखा
रकत के आंसु परहिं भंइ टूटी । रेंगि-चली जल वीर बहूटी
सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला । हरियरि भूमि कुसुंभी चोला ।

5) स्याममुख देखे ही परतीति ।
जो तुम कोटि जतन करि सिखवत जोग ध्यान की रीति ।।
नाहिन कछू सयान ज्ञान में यह हम कैसे माने ।
कहौ कहा कहिए या नेम का कैस उर में आने ।
सूर सपथ दै बूझत ऊधो यह व्रज लोग सयाने ।।

6) राम बिरह सागर महँ भरत मगन मन होत ।
बिप्ररूप धरि पवन सुत आई गएउ जनु पोत ।।
बैठे देखि कुसासन जटामुकुट कृस गात ।
राम राम रघुपति जपत स्रवत नयन जलजात ।।

7) पिउ बियोग बाउर जीऊ । पपिहा निति बोले "पिउ पीऊ" ।।
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेई सुवा गएउ पिउ नामा ।।
विरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भीजि गई चोली ।
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ।।
खन एक आव पेट मंह सांसा । खनहिं जाइ जिउ, होइं निरासा ।।
पवन डोलाबहिं सोचहिं चोला । पहर एक ससुझाहि मुख बोला ।।

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के आलोचनात्मक उत्तर लिखिए । (अधिकतम **150** शब्द) **(3×8=24)**

8) तुलसी का समन्वय भाव ।

9) कबीर का राम ।

10) जायसी और पद्मावत ।

11) सूर का वात्सल्यवर्णन ।

12) तुलसी की भक्ति पद्धति ।

III. किन्हीं **तीन** प्रश्नों पर निबन्ध लिखिए । (अधिकतम **300** शब्द) **(3×12=36)**

13) समाज सुधारक कबीर का वर्णन कीजिए ।

14) तुलसी की लोकमंगल की भावना स्पष्ट कीजिए ।

15) जायसी की प्रेम भावना पर प्रकाश डालिए ।

16) सूरदास के पदों में भक्ति का वर्णन ।

17) तुलसीदास और 'रामचरित मानस' ।